

27.10.2018

प्राकृतिक पेसा उर्वर । कमीत कमी उपरिपरत मनी
कमीत कमी व कमीत कमी को बाए-कए भाषाव
लगाई छिउ नी टाजिउ नही । काद कमी कइम
टाजिउ व कइम पैली में पाणीज डिपा जाहा हो
प्राकृतिक नमूर से कम की जाकर काउ तरीक
न करील जाव्या दाखिल दफतर हो ।

७०

rt-1
निय
क
सक
धि

